an>

Title: Need to check emissions from the wells of natural gas at Dandewal in Jaisalmer district along Indo-Pak border.

कर्नल सोनाराम चौधरी (बाड़मेर) : अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं एक बहुत ही अहम मुद्दा उठा रहा हूं। जैसलमेर जिला है, उसमें रामगढ़-डांडेवाला गांव है जो पाकिस्तान के बार्डर पर सिमटा हुआ है। वहां आज से करीब 30-40 साल पहले गैस की डिस्कवरी हुई हुई थी। 20 साल पहले वहां कई कुएं खुदे थे लेकिन पता नहीं उन कुओं का कमर्शियल यूज नहीं किया गया। वहां 9 नवम्बर को बहुत बड़ा विस्फोट हुआ जिसकी वजह से पूरे जैसलमेर जिले में त्राहि-त्राहि मच गई। वहां 35 किलोमीटर के रेडियस में कोई आबादी नहीं थी, वह बार्डर पर है। उसकी वजह से जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। बाद में ओएनजीसी के लोग वहां आए, गुजरात की जीटीसी कम्पनी के करीब सौ साइंटिस्ट आए। उन्होंने वहां कंट्रोल कर लिया। मेरे कहने का मतलब है कि एक तरफ हमारा रिवैन्यू लूज़ हो रहा है। हिन्दुस्तान में गैस की कमी है। वहां वॉयबिलिटी है, उसका कमर्शियल यूज करना चाहिए। वहां पुराने कुएं हैं। लीकेज, विस्फोट का कारण है कि रख-रखाव नहीं था, पाइप पुराने थे। मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि आप पैट्रोलियम मंत्रालय को कहें कि गैस की कमी है तो उसका एक्सप्लोरेशन होना चाहिए, वहां उसे यूज करना चाहिए। पुरानी गैस की जो लीकेज हो रही है, वह रिपेयर होनी चाहिए ताकि आगे से इस तरह न हो।

उस बार्डर से आगे सुई गैस करके पाकिस्तान का फील्ड है। वहां बहुत गैस पैदा हो रही है। वहां भी जैसलमेर बहुत बैकवर्ड जिला है। वहां गैस का प्लांट बनाकर या गैस का यूज़ होना चाहिए। यह मैं आपके द्वारा कहना चाहता हूं।

माननीय अध्यक्ष : श्री पी.पी. चौधरी, श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा और श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को कर्नल सोनाराम चौधरी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।